आकार ले रहे मेट्रो-3 के स्टेशन

2024 तक बन जाएगा कारशेड : एमएमआरसी

02 रेक जल्द ही पहुंचेंगे मुंबई | **27** स्टेशन हैं मेट्रो मार्ग पर, 26 भूमिगत | **33.50** किमी लंबी मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो | **33** हजार करोड़ है प्रोजेक्ट की लागत

■ सूर्यप्रकाश मिश्र @ नवभारत

मुंबई. मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का काम फास्ट ट्रैक पर शुरू है. बताया गया कि पैकेज-1 के तहत 90% सिविल वर्क कंप्लीट होने के साथ कई भूमिगत स्टेशन आकार ले रहे हैं. कफ परेड, विधान भवन, चर्चगेट और हुतात्मा चौक स्टेशन का काफी काम हो चुका है. एमएमआरसी के अनुसार सीप्ज, सिद्धिविनायक और एमआईडीसी स्टेशनों पर शत-प्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम हो चुका है. मुंबई सेंट्रल, विधान भवन स्टेशनों का काम भी अंतिम चरण में है.

एमडी अश्विनी ने लिया जायजा: राज्य में सरकार बदलते ही मेट्रो एवं अन्य परियोजनाओं को फास्ट ट्रैक पर लाने का काम शुरू हो गया है. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े को एमएमआरसी के एमडी की जिम्मेदारी देते ही उन्होंने अपना काम तेजी से शुरू किया है. भिड़े ने मेट्रो-3 के टनेल में कार्यस्थल पर जाकर जायजा लिया. एमडी भिड़े के अनुसार टनेल सेक्शन में कफपरेड से विधानभवन तक ट्रैक का काम पूरा हो गया है, जबकि स्टेशनों को शेपिंग दी जा रही है.

सिविल वर्क पैकेज-1 में हुआ पूरा

ट्रैक का काम हो चुका है पूर्ण

ट्रैक के लिए एलवीटी तकनीक

मेट्रो-3 के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर ट्रैक बिछाने के लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी पर भी कंपन न हो. आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली फटरी बिछाई जा रही है. लगभग 32% ट्रैक का काम पूर्ण हो चुका है. टनलिंग का काम पूरा होने के बाद स्टेशन, प्लेटफार्म और कॉनकोर्स लेवल अथार्थ टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी तेजी से शुरू है.

जल्द ही शुरू होगा कारशेड का काम

प्लेटफॉर्म, इंट्री-एग्जिट एस्केलेटर आदि कई काम चल रहे हैं. एनएटीएम वर्क भी तेजी से चल रहा है. एमएमआरसी की टीम लक्ष्य के अनुसार काम को गति देने में लगी हुई है .जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से एमएमआरसी द्वारा किए जा रहे इस बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने आरे में ही कारशेड बनाए जाने का निर्णय लिया है. आरे में जल्द ही कारशेड का काम शुरू कर दिया जाएगा. एमएमआरसी के अनुसार 2024 तक कारशेड बन जाएगा. इसके साथ ट्रायल और संचालन की योजना है.

आरे में रखे जाएंगे रेक

मेट्रो-3 के 2 रेक जल्द ही मुम्बई पहुंचने वाले हैं. इन्हें आरे में ही रखने की तैयारी की गई है. मेट्रो के 3 रेक तैयार हैं. पहले चरण का ट्रायल अगले वर्ष तक शुरू करने का लक्ष्य है.

भूमिगत मेट्रो के बारे में

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो-3 है.
- इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 स्टेशन जमीन के ऊपर.
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 33 हजार करोड़ है.
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से जोड़ने का काम करेगी.
- अंडरग्राउंड होने के कारण मुंबई की ट्रैफिक से निजात मिलेगी.